Get Printed Study Notes for UPSC Examps Typin 20 11
Si. No.

B-DTN-L-IJA

HISTORY

Paper I

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks: 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers should be precise and to-the-point. An outline map is attached to this question paper which is to be used for attempting Question No. 1. This map may be detached carefully from the question paper and attached securely to the answer book by the candidate.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।





Section 'A'

- 1. Mark the following places on the map supplied to you and write short descriptive notes on them:

 3×20=60
 - (i) Chirand
 - (ii) Kargil
 - (iii) Basohli
 - (iv) Lalitgiri
 - (v) Mandu
 - (vi) Penukonda
 - (vii) Samugarh
 - (viii) Vilinam
 - (ix) Sigiria
 - (x) Vikramasila
 - (xi) Mukhalingam
 - (xii) Halebid
 - (xiii) Sanghol
 - (xiv) Kumbharia
 - (xv) Sirpur
 - (xvi) Pangudaria
 - (xvii) Amarkantak
 - (xviii) Kibbanhalli
 - (xix) Jorwe
 - (xx) Badaun

B-DTN-L-IJA

2

(Contd.)





4

- 1. दिए हुए मानचित्र में निम्न स्थानों को भरते हुए उन पर लघु टिप्पणियां लिखिए: 3×20=60
 - (i) चिरांद
 - (ii) कारगिल
 - (iii) बसोहली
 - (iv) ललितगिरि
 - (v) मांडु
 - (vi) पेनुकोंडा
 - (vii) समूगढ
 - (viii) विलिनम
 - (ix) सिगिरिया
 - (x) विक्रमशिला
 - (xi) मुखलिंगम
 - (xii) हलेबिड
 - (xiii) संघोल
 - (xiv) कुम्भारिया
 - (xv) सिरपुर
 - (xvi) पानगुडारिया
 - (xvii) अमरकंटक
 - (xviii) किब्बनहल्ली
 - (xix) जोर्वे
 - (xx) बदायूं

B-DTN-L-IJA

3

(Contd.)







- Trace the development of urbanization from the third millennium B.C.E. to 6th century B.C.E. 60
- Evaluate the conceptual basis of the Vedic deities.

, F

Ł

- (b) Assess the importance of Jain tenets and their relevance to humanity. 30
- 4. (a) Evaluate the introduction of iron technology in the development of human history of ancient India.
- (b) Discuss the types of lands and the science of agriculture mentioned in the literature and epigraphs of ancient India.
- (c) Assess Ellora as a unique art centre of the different cultural streams.

Section 'B'

- 5. Write short notes in not more than 200 words on the following: $20\times3=60$
 - (a) Assess the contribution of Illutmish for the expansion and consolidation of the Delhi Sultanate.
 - (b) Examine critically the agrarian and economic reforms of Alauddin Khalji. How did it strengthen the Sultanate?
 - (c) What is your assessment of Ibn Batutah's Rehla as an important source of Indian history.

B-DTN-L-IJA 4 (Contd.)



Ţ

- 2. तीसरी सहस्ताब्दि बी.सी.ई. से छठी शताब्दी बी.सी.ई. के मध्य नगरीकरण के विकास को रेखांकित कीजिये। 60
- 3. (क) वैदिक देवताओं की अवधारणा का मूल्यांकन कीजिए।
 30
 - (ख) जैन धर्म दर्शन के महत्व तथा उसकी मानवता के संदर्भ में प्रासंगिकता का मूल्यांकन कीजिए। 30
- 4. (क) प्राचीन भारतीय इतिहास के विकास में लौह तकनीक के प्रारम्भ का मूल्यांकन कीजिए। 20
 - (ख) प्राचीन भारतीय साहित्य तथा अभिलेखों में वर्णित भूमि के विभिन्न प्रकार तथा कृषि विज्ञान की विवेचना कीजिए।
 - (ग) एलोरा की विभिन्न सांस्कृतिक धाराओं के विलक्षण केन्द्र के रूप में समीक्षा कीजिए। 20

खण्ड 'ख'

- निम्नलिखित पर 200 शब्दों से अधिक न लिखते हुए टिप्पणी कीजिए:
 20×3=60
 - (क) दिल्ली सल्तनत के प्रसार तथा सुदृढ़ीकरण में इल्तुतिमश के योगदान की समीक्षा कीजिए।
 - (ख) अलाउद्दीन खिलजी के कृषि तथा आर्थिक सुधारों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। उनसे सल्तनत किस प्रकार से सुदृढ़ हुयो।
 - (ग) भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में इब्न बतूता के रेहला के विषय में आपका क्या मूल्यांकन है ?

B-DTN-L-IJA

5

(Contd.)



•

7



- Evaluate the socio-economic conditions from the Gupta Period to 1200 C.E. as gleaned from the various types of grants or dana shasana.
- 7. (a) Mughal paintings reflect the contemporary socio-political conditions. Discuss. 30
 - (b) Examine the mansab and jagir system by Akbar and its subsequent failure in the 18th century.
- 8. (a) Discuss the causes of the rise and growth of regional kingdoms with special reference to the Deccan in the 18th century.
 - (b) Assess the contribution of the Cholas in the expansion of Indian culture outside India. 30



- 6. गुप्त काल से 1200 सी.ई. तक के विभिन्न प्रकार के दान शासनों से तत्कालीन समाजार्थिक परिस्थितियों का मूल्यांकन कीजिये।
- 7. (क) मुगल चित्रकला समकालीन सामाजिक-राजनैतिक परिस्थितियों को दर्शाती है। विवेचना कीजए। 30
 - (ख) अकबर की मनसब तथा जागीर प्रथा तथा अठारहवीं शताब्दी में उनकी विफलता का मूल्यांकन कीजिए। 30
- 8. (क) अठारहवीं शताब्दी में दकन के विशिष्ट संदर्भ में, क्षेत्रीय राज्यों के उद्भव तथा विकास के कारणों की विवेचना कीजिए।
 - (ख) भारतीय संस्कृति के भारत के बाहर प्रसार में चोलों के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। 30



B-DTN-L-IJA

इतिहास प्रश्न-पत्र I

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है। प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अन्त में दिए गए हैं।

उत्तर संक्षिप्त और सटीक होने चाहिए।
एक रूपरेखा मानचित्र इस प्रश्न पत्र के साथ प्रश्न संख्या 1 के उत्तर के लिए संलग्न है। यह नक्शा सावधानीपूर्वक प्रश्न पत्र से अलग कर लें और अभ्यर्थी इसे सावधानीपूर्वक उत्तर पुस्तिका से बाँध दें।

Note: English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.





